

कांड-पट पुं. (तत्.) 1. परदा 2. कनात।

कांड पृष्ठ पुं. (तत्.) 1. सैनिक, शस्त्रजीवी 2. बाण चलाने वाला 3. वेश्या का पति 4. अपनी जाति या कुल का त्याग करने वाला व्यक्ति 5. नीच व्यक्ति 6. दत्तक पुत्र 7. कर्ण का धनुष 8. भारी धनुष।

कांड-भंग पुं. (तत्.) अस्थि भंग, हड्डी का टूट जाना।

कांडर्षि पुं. (तत्.) वेद के किसी कांड (ज्ञान कांड, कर्मकांड तथा उपासना कांड) का विवेचन करने वाले ऋषि।

कांडवान पुं. (तत्.) 'तीरंदाज'।

कांडवीणा स्त्री. (तत्.) चंडालवीणा, एक वाद्य।

कांडारी पुं. (तत्.) कर्णधार, खिवैया, मल्लाह उदा. करोड़ों की नौका का एक कुशल कांडारी तू - मैथिलीशरण गुप्त (अंजलि 38)।

कांडिका स्त्री. (तत्.) 1. पुस्तक का कोई खंड या भाग 2. एक तरह का कुम्हड़ा 3. एक प्रकार का अन्न।

कांडी स्त्री. (तद्.) 1. डंडी, डंडा 2. किसी वस्तु का छोटा-लंबा टुकड़ा 3. छाजन में काम आने वाला कुछ वृक्षों का लंबा पतला तना।

कांत वि. (तत्.) 1. सुंदर 2. प्रिय और मनोहर 3. कांतिवान 4. कोमल और मनोहर पुं. (तत्.) किसी से अनुराग रखने वाला व्यक्ति, प्रेमी 2. पति, स्वामी 3. (लक्ष्मी के स्वामी-लक्ष्मीकांत-विष्णु) 3. विष्णु 4. शिव 5. कार्तिकेय 6. चंद्रमा 7. वसंत ऋतु 8. कुंकुम 9. हिंजल का पेड़ 10. कांतिसार लोहा।

कांतपक्षी पुं. (तत्.) मोर, मयूर।

कांत-पाषाण पुं. (तत्.) चुंबक पत्थर।

कांत-लौह पुं. (तत्.) कांतिसार लोहा।

कांता स्त्री. (तत्.) 1. प्रिय तथा सुंदर स्त्री 2. प्रिया, प्रेमिका 3. भार्या, पत्नी।

कांतार पुं. (तत्.) 1. बहुत घना तथा भीषण जंगल या वन 2. बहुत उजाड़ या भयावना स्थान, बाँस

4. छेद, छिद्र 5. दरार, संधि 6. केतारा ऊख 7. दुरूह तथा कठिन मार्ग।

कांतारक पुं. (तत्.) केतारा (ऊख, ईख)।

कांतासक्ति स्त्री. (तत्.) 1. वह भक्ति जिसमें स्वयं को प्रेयसी या पत्नी तथा ईश्वर को प्रेमी या पति मानकर की जाती है 2. पत्नी या प्रिया में आसक्ति 3. पति या प्रेमी में आसक्ति।

कांति स्त्री. (तत्.) 1. चमक, आभा, दीप्ति 2. सौंदर्य, छवि, शोभा 3. शृंगार 4. चंद्रमा की सोलह कलाओं में से एक 5. सुंदर स्त्री 6. सोलह लघु और पच्चीस गुरु वर्णों वाला आर्या छंद 7. दैहिक या वैयक्तिक शृंगार या सजावट और उसके कारण बना हुआ मोहक रूप।

कांतिकर वि. (तत्.) 1. सुशोभित करने वाला 2. शोभा या कांति बढ़ाने वाला।

कांतिभृत पुं. (तत्.) चंद्रमा (कांति धारण करने वाला)।

कांतिमान वि. (तत्.) 1. कांति से युक्त 2. चमक वाला, चमकीला 3. सुंदर।

कांतोत्पीड़ा स्त्री. (तत्.) 1. वियोग का कष्ट या दुःख 2. छंद. प्रत्येक चरण में क्रमशः भगण, मगण, सगण, मगण (भ म स म) के योग से बारह वर्णों वाला समवर्णिक छंद।

कांथरि स्त्री. (तत्.) कथरी।

कांदन पुं. (तद्.) 'मारकाट' उदा. 'पुनि सलार कांदल मतिमांहा -जायसी पुं. (तद्.) क्रंदन-रोना-पीटना।

कांदव पुं. (तत्.) चूल्हे अथवा लोहे की कड़ाही में भुनी हुई वस्तु।

कांदव पुं. (देश.) काँदों-कांदा।

कांदविक पुं. (तत्.) 1. हलवाई 2. खाद्य पदार्थ बनाने और बेचने वाला व्यक्ति।

कांदा पुं. (तद्.) 1. कंद 2. कांदा, प्याज।

कांस्टेबिल पुं. (अं.) पुलिस का सिपाही।

काँड़ क्रि.वि. (देश.) 1. क्यों जैसे- काँड़ जाओगे? 2. कहाँ 3. किस ओर।